Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-205

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : द्वितीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : पंचम
धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और आयुर्वेद

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. "आन्वीक्षकी त्रयी वार्ता दण्डनीतिश्चेति विद्याः" - इसकी सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
2. अष्टाङ्गहृदयम् ग्रन्थ के 'दिनचर्या' अंशस्थ विषयों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
3. कौटिलीय अर्थशास्त्र व्यसनाधिकरणस्थ पुरुष में होने वाले व्यसनों की तुलनात्मक समीक्षा करें।
4. सुखार्थाः सर्वभूतानां मताः सर्वाः प्रवृत्तयः।
   सुखं च न विना धर्मात्तस्माद्धर्मपरो भवेत्।। - इसकी दिनचर्या अध्यायस्थ की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
5. मनुस्मृति के अनुसार सृष्टि रचना का वर्णन सविस्तार कीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. विभिन्न - आचार्यों के मत को दर्शाते हुए कौटिल्य मतानुसार कितनी विद्या मानी गई है?
2. ब्रह्ममूहूर्त में जागने के लाभ अष्टांगहृदयानुसार उल्लेख कीजिए।
3. कामज चार (04) व्यसनों का परस्पर में गरीयसी बताते हुए व्याख्या कीजिए।
4. सर्वेषां तु स नामानि कर्माणि च पृथक्-पृथक्।
   वेदशब्देभ्य एवादौ पृथक्संस्थाश्च निर्ममे।।
5. प्रदीपः सर्वविद्यानामुपायः सर्वकर्मणाम्।
   आश्रयः सर्वधर्माणां शश्वदान्वीक्षकी मता।
6. मृगयाऽक्षो दिवास्वप्नः परिवादः स्त्रियो मदः। - तौर्यत्रिकं वृथाट्या च कामजो दशको गणः।।
   - मनुस्मृतिस्थ श्लोक की व्याख्या करें।
7. व्यवस्थितार्यमर्यादः कृतवर्णाश्रमस्थितिः।
   त्रय्या हि रक्षितो लोकः प्रसीदति न सीदति।। - कौटिलीयार्थशास्त्रानुसार श्लोक की व्याख्या करें।

----------x----------